Threat to Indian Cricket Team's tour to Bangladesh

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश) : सभापति जी, भारत एशिया महाद्वीप में शांति स्थापित करने और आतंकवाद समाप्त करने का प्रबल प्रयास करने वाला एक सशक्त देश है। अभी हाल ही में नक्सलवादियों से जो समझौते किए गए हैं और पोटा हटाया गया है, इसके कारण अराजकतावादी तत्वों का उत्साहवर्द्धन हुआ है और देश में निरन्तर आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि हुई है।

श्री सभापति : आप तो क्रिकेट टीम के बारे में बात कर रही थीं।

श्रीमती माया सिंह : सभापति जी, मैं उसी पर आ रही हूं। भारतीय क्रिकेट टीम का निर्धारित दौरा 7 दिसम्बर का था। वहां हमारी टीम को दो टेस्ट मैच और तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने हैं, बाइस दिन का दौरा है। यह कोई एकाध हफ्ते का नहीं, बल्कि बाइस दिन का दौरा है। एक आतंकवादी गुट, जो 1992 में हरकत-उल-जेहाद-अल-इस्लामी के नाम से बना, जो तालिबान के करीबी है, जिसके बारे में यह भी सुना है कि चार हजार सदस्यों ने कारगिल के युद्ध में भी भाग लिया था, इस गुट ने धमकी दी है कि अगर भारतीय क्रिकेटर बांग्लादेश के दौरे पर आए तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। इस जान से मारने की धमकी के कारण आज खिलाड़ियों की सुरक्षा का प्रश्न खड़ा हो गया है। इस प्रकार की धमकियों से खेल की भावना पर भी विपरीत असर पड़ता है। इसे रोकना जरूरी है। यह होस्ट देश की भी जिम्मेदारी होती है कि वह हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखे। हालांकि बांग्लादेश ने यह बात कही है कि यह जो धमकी दी गई है, यह गैरजिम्मेदाराना है और गुमराह करने वाली फर्जी धमकी है। लेकिन इसके साथ ही यह अति गंभीर और संवेदनशील मामला है। इसे हल्का नहीं लेना चाहिए। मेरा सरकार से अनुरोध है कि टीम के दौरे की वस्तुस्थिति, खिलाड़ियों की सुरक्षा, बांग्लादेश सरकार से भारत सरकार ने इस संबंध में अभी तक क्या बातचीत की है तथा क्या आश्वासन दिए हैं, इन्हें मद्देनजर रखते हुए अभी तक की गई कार्रवाई से सदन को अवगत कराएं।

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) : सभापति महोदय, इस संदर्भ में सरकार की तरफ से एक बयान आना चाहिए, क्योंकि आज ही भारत की टीम का दौरा निर्धारित था, उन्हें आज के दिन जाना था। इस समय बांग्लादेश की स्थितियों को बहुत आसानी से नहीं लिया जा सकता है। आई.एस.आई. के नए सेंटर्स वहां पर बन रहे हैं, जितने भी भारत-विरोधी आतंकवादी संगठन हैं, उनके नए अड्डे वहां तैयार हो रहे हैं। वहां से अगर इस प्रकार की धमकी आती है कि अगर इंडियन टीम वहां आई तो सारे क्रिकेटरों की जान ले ली जाएगी, उनको जान से मार डाला जाएगा, इस पर अगर सरकार कुछ न करे, सिर्फ बी.सी.सी.आई. के एक-दो लोग इधर-उधर कुछ बोलें, तो मुझे लगता है कि इस पूरे विषय को बहुत ही कम आंका जा रहा है।

सभापति जी, मैं इसलिए बोल रहा हूं क्योंकि इस देश में करोड़ों लोग क्रिकेट से प्रेम करते हैं, करोड़ों लोगों के दिलों पर क्रिकेट राज करता है, करोड़ों लोगों के दिलों पर सचिन तेंदुलकर राज करते हैं, सौरभ गांगुली राज करते हैं और उन लोगों की जान अगर खतरे में पड़ रही है और ऐसा दिख रहा है, तो मुझे लगता है कि सरकार को चुप नहीं रहना चाहिए। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि आप इस संदर्भ में सरकार को निर्देश दें कि वह तत्काल कार्यवाही करे और बयान दे। यह कोई जरूरी नहीं है कि हमारी टीम बांग्लादेश जाए। बांग्लादेश

की सरकार और बांग्लादेश की पुलिस के ऊपर हमारा विश्वास नहीं है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि भारतीय टीम का बांग्लादेश का दौरा तत्काल निरस्त किया जाए, रद्द किया जाए, ताकि हमारे सारे के सारे खिलाड़ी सुरक्षित रह सकें।

डा. अलादी पी. राजकुमार (आन्ध्र प्रदेश) : महोदय, इस विषय को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। आप चेयर से गवर्नमेंट को कुछ डॉयरेक्शन दीजिए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात) : सभापति महोदय, यह बहुत ही गंभीर मामला है ...**(व्यवधान)**...

प्रो. रामबख्श सिंह वर्मा (उत्तर प्रदेश) : महोदय, यह बहुत ही गंभीर मामला है ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय निरुपम : सभापति जी, यह बहुत ही गंभीर मसला है।

श्री सभापति : आप देखिए, यह गंभीर मसला है, तभी तो मैंने आपको एलाऊ किया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय निरुपम : महोदय, सरकार इस बारे में क्या कर रही है? सचमुच ढाका में कोई बातचीत हुई, इस बारे में कोई पत्र-व्यवहार हुआ, कोई फैक्स आया ...**(व्यवधान)**... आखिर हमारे भारतीय उच्चायुक्त की वहां पर किसी से कोई बात हुई, नहीं हुई, इस संदर्भ में सरकार को सदन में कुछ सूचना देनी चाहिए ...**(व्यवधान)**... श्री सुरेश पचौरी जी, आप पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर हैं, आप सदन में कुछ तो सूचना दीजिए ...**(व्यवधान)**... यह करोड़ों लोगों के दिलों की बात है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : सुनिए, सुनिए।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : आदरणीय सभापति महोदय, हमारे जो क्रिकेट के खिलाड़ी हैं, उनको देश में और देश के बाहर समुचित सुरक्षा प्रदान की जाए, इस बात की ओर सरकार का पूरा ध्यान है। जो मामला अभी हमारे कई सम्मानित सदस्यों ने उठाया है, इसे हम और अधिक गंभीरता से लेते हुए उन्हें समुचित सुरक्षा प्रदान करेंगे, यह हम सुनिश्चित करते हैं...**(व्यवधान)**...

श्री संजय निरुपम : दौरा रद्द हुआ या नहीं? हमारी टीम आज ही बांग्लादेश जाने वाली थी। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, देखिए, मेरी बात सुनिए ...**(व्यवधान)**... बैठिए ...**(व्यवधान)**... Special Mentions ...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : Sir, it is not fair...*(Interruptions)*...The anxiety is there. But it is not fair that certain comments that he has made regarding India's neighbouring country should be recorded like this...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : क्या कहा?

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, he has made some comments...*(Interruptions)*... He may not have belief in the other Government but it should not come from the Parliament like this...*(Interruptions)*... I think, it should not be recorded like this ....*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I will see to it..*(Interruptions)*... I will see to it... Please take your seats. Special Mentions. आप बैठिए, निरुपम जी, बैठिए ...(व्यवधान)... Shri Vijay J. Darda.

SPECIAL MENTIONS

Need to mobilise international support for India to get permanent seat in the Security Council with veto power

SHRI VIJAY J. DARDA (Maharashtra): With the signing of historic partnership pact for peace and economic prosperity, coupled with many high-profile meetings which our Prime Minister had with his counterparts like Chinese and Japanese Prime Ministers, India's role as a major player in Asia stands established.

[MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair]

The concerted efforts envisaged towards jointly fighting international terrorism, promoting and facilitating flow of foreign direct investment will go a long way towards economic stability of the region, thus gradually improving the quality of life of the people in a tension-free environment. The agreement outlines multi-pronged plan to boost trade, investment, tourism, and culture, so vital for mutual appreciation of the respective national ethos for ensuring a regional peaceful scenario for Asia. Now, coming to India's role in the UNO and the Security Council, for quite some time, we and other like-minded nations are lobbying for a permanent membership for India in the expanded eleven permanent-member Security Council with veto power, as presently enjoyed by the USA; Russia, China, France and UK. Keeping in view the ground realities and the multi-dimensional progress made by fast-developing India, there could hardly be any cogent reasons to deny India this well-deserved coveted position in the UNO. No doubt, diverse interests are also working to dilute or even deny India's role in the expanded Security Council. A number of proposals are on the anvil, none of which gives a clear indication of the new six permanent Security Council Members being given veto rights, or a four - year term membership for new members on renewal basis being thought of. We have to strive hard,